स्वामी रामानंद तीर्थ
मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
"ज्ञानतीर्थ" विष्णुपुरी, नांदेड

बहिस्थशिक्षा केंद्र

हिंदी पाठ्यक्रम
एम. ए. द्वितीय वर्ष

शैक्षिक वर्ष **2023 - 24** से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ
मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
बहिस्थशिक्षा केंद्र

एम. ए. हिंदी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष : पाठ्यक्रम की रूपरेखा

पाठ्यक्रम ०५ : हिंदी नाटक तथा कथेतर गद्य

पाठ्यक्रम ०६ : काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम ०७ : भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा

पाठ्यक्रम ०८ : हिंदी साहित्य : विविध विमर्श

दूरशिक्षा केंद्र
एम. ए. द्वितीय वर्ष हिंदी पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रम का उद्देश्य

१. दूरशिक्षा केंद्र के एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष के इस पाठ्यक्रम के माध्यमसे हिंदी नाट्य विधा, साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन, भाषा विज्ञान तथा नए विमर्शों से छात्रों को परिचित कराना है |
२. 'हिंदी नाटक तथा कथेतर गद्य' यह पाठ्यक्रम नाटक का अध्ययन एक कला के रूप में करने का संस्कार देता है| नाटक का लेखन से आरंभ होता है, रंगमंचपर अभिनय के माध्यमसे वह दृश्य रूप लेता है और प्रेक्षकों तक संप्रेषित होता है| नाटक की इस जटिल प्रक्रिया से छात्र परिचित हो, नाटक की ओर वह कलात्मक दृष्टि से देखे तथा कलाकारों के प्रति सम्मान भाव रखे|
३. एम. ए. द्वितीय वर्ष के छात्रों को पाठ्यक्रम ०६ के माध्यमसे साहित्य के सैद्धांतिक रूप से परिचित होना है तथा समीक्षा की प्रक्रिया से भी|
४. भाषा अपने गर्भ में संस्कृति एवं सभ्यता को लेकर चलती है | किसी भी युग एवं समाज का अध्ययन बिना भाषा के संभव नहीं है| वर्तमान समय में इस दृष्टि से भाषा का अध्ययन जरुरी हुआ है| 'भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा' इस पाठ्यक्रम के द्वारा भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा से परिचित होना है|

५. वर्तमान युग उपेक्षितों का युग है| उपेक्षितों की अनुभूतियों से परिचित होकर इनकी ओर मानवीय दृष्टि से देखने की दृष्टि 'हिंदी साहित्य : विविध विमर्श' यह पाठ्यक्रम देता है| स्त्री, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यंकों के प्रति छात्रों में संवेदना निर्माण करने का काम निश्चित ही यह पाठ्यक्रम करेगा |

आपको अनेकानेक शुभकामनाएँ ------

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष
पाठ्यक्रम –०५
हिंदी नाटक तथा कथेतर गद्य

खंड अ हिंदी नाटक

इकाई ०१ हिंदी नाटक एवं एकांकी : परिभाषा, स्वरूप तथा तत्व

१.१ नाटक : परिभाषा एवं स्वरूप

१.१. नाटक शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
१.२. नाटक के विविध रूप
१.३. रंगमंच का उद्भव एवं विकास
१.४. नाटक : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में

१.२ नाटक के तत्व

१.२.१ कथानक या कथावस्तु
१.२.१ पात्र या चरित्र – चित्रण
१.२.३ देशकाल और वातावरण
१.२.४ सवांद एवं भाषाशैली
१.२.५ उद्देश्य
१.२.६. अभिनय

१.३ हिंदी एकांकी के तत्व

१.३.१ एकांकी का स्वरूप एवं परिभाषा
१.३.२. एकांकी के तत्व
१.३.२.१ कथावस्तु – (आरंभ – संघर्ष – चरम सीमा – कार्यांत – त्रयसंकलन)
१.३.२.२ पात्र या चरित्र-चित्रण
१.३.२.३ संवाद या कथोपकथन
१.३.२.४ अभिनय तथा रंगसंकेत
१.३.२.५ नाटक और एकांकी में साम्य - वैषम्य

इकाई ०२ नाटक : चंद्रगुप्त (प्रसाद) एवं लहरों के राजहंस (मोहन राकेश)

२.१ नाटक : चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद

२.१.१ प्रस्तावना : प्रसाद के समग्र नाट्य साहित्य को ध्यान में रखकर
२.१.२ जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
२.१.३ चन्द्रगुप्त नाटक का समीक्षात्मक विवेचन : (मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र सृष्टि, परिवेश रंगमंचीय सार्थकता)
२.१.४ चंद्रगुप्त नाटक में इतिहास एवं कल्पना
२.१.५ चंद्रगुप्त नाटक में राष्ट्रीय एकता के प्रयास तथा अभिव्यक्त सांस्कृतिक चेतना
२.१.६ तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था, गीत योजना

२.२ लहरों के राजहंस : मोहन राकेश

२.२.१ प्रस्तावना : समग्र नाट्य साहित्य को ध्यान में रखकर
२.२.२ मोहन राकेश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
२.२.३ लहरों के राजहंस : नाटक का समीक्षात्मक विवेचन (मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र, परिवेश)
२.२.४ संघर्ष का स्वरूप एवं यथार्थ चित्रण
२.२.५ रंगमंचीय दृष्टि से मूल्यांकन

२.३ प्रसाद एवं मोहन राकेश का हिंदी नाट्य साहित्य मे योगदान

२.३.१ प्रसाद का हिंदी नाट्य साहित्य मे योगदान
२.३.२ मोहन राकेश का हिंदी नाट्य साहित्य मे योगदान

इकाई ०३ नाटक : सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य कि पहली किरण तक – सुरेन्द्र वर्मा तथा जादू का कालीन – मृदुला गर्ग

३.१ सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य कि पहली किरण तक – सुरेन्द्र वर्मा

३.१.१ प्रस्तावना : सुरेन्द्र वर्मा के समग्र नाटकों को ध्यान में रखकर

३.१.२ सुरेन्द्र वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
३.१.3 सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य कि पहली किरण तक नाटक का समीक्षात्मक विवेचन (मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र, परिवेश, भाषाशैली)
३.१.४ पठित नाटक के आधार पर स्त्री – पुरुष संबंधों की ओर देखने का नया दृष्टिकोण : विवेचन (स्त्री-पुरुष समानता मूल्य)
३.१.५ नाटक का रंगमंचीय दृष्टि से मूल्यांकन

३.२ जादू का कालीन – मृदुला गर्ग
३.२.१ प्रस्तावना : महिला नाटककारो मे मृदुला गर्ग का योगदान
३.२.२ मृदुला गर्ग का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
३.२.३ जादू का कालीन नाटक का समीक्षात्मक विवेचन (मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र, परिवेश, भाषाशैली)
३.२.४ जादू का कालीन नाटक में बाल मजदूरी की समस्याओं का स्वरूप
३.२.५ रंगमंचीय दृष्टि से मूल्यांकन

इकाई ०४ : एकांकी संग्रह (०६ एकांकियाँ)

४.१ एकांकियाँ : भारतेंदु एवं उपेन्द्रनाथ अश्क
१. भारतेंदु : अंधेर नगरी
२. उपेन्द्रनाथ अश्क – तौलिए
३. मूल्यांकन

४.२ एकांकियाँ : रामकुमार वर्मा, तथा विष्णु प्रभाकर
१. रामकुमार वर्मा – शिवाजी
२ विष्णु प्रभाकर – प्रकाश और परछाई या 'मेरे प्रिय एकांकी'संग्रह से कोई एक एकांकी
३. मूल्यांकन

४.३ एकांकियाँ : जगदीशचंद्र माथुर एवं लक्ष्मीनारायण लाल
१. जगदीशचंद्र माथुर – रीढ़ की हड्डी
२. लक्ष्मीनारायण लाल – मम्मी ठकुराइन
३. मूल्यांकन

नोट – उपर्युक्त एकांकियों का समीक्षात्मक विवेचन निम्न मुद्दों के आधारपर किया जाए : मूल संवेदना, कथावस्तु, पात्र, परिवेश, भाषाशैली, उद्देश्य तथा रंगमंचीय सार्थकता

खंड आ
कथेतर गद्य

इकाई ०५ कथेतर गद्य भाग ०१ : हिंदी निबंध

५.१ निबंध : परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं विकास
५.१.१ निबंध ; अर्थ, परिभाषा, स्वरूप
५.१.२. निबंध के तत्व
* वैयक्तिकता
* स्वच्छन्दता एवं संगती
* वैचारिकता
* संक्षिप्तता
* भाषाशैली
५.१.३ निबंध के प्रकार
* भावात्मक / विचारात्मक / वर्णनात्मक
* आत्मपरक / ललित / हास्य-व्यंग्यात्मक
५.१.४ निबंध : विकासक्रम
* भारतेंदु युग (उद्गम काल)
* द्विवेदी युग (उत्थान काल)

* शुक्ल युग (विकास काल)
* शुक्लोत्तर युग (प्रौढ़ युग)

५.२ निबंध संग्रह : तीन निबंध भाग १ – 'विश्वास', 'क्रोध' और 'कुटज'

५.२.१ विश्वास : प्रतापनारायण मिश्र
५.२.२ क्रोध : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
५.२.३ कुटज : हजारीप्रसाद द्विवेदी

५.३ निबंध संग्रह : तीन निबंध, भाग २ – नारीयाल / हम बिहार में चुनाव लड़ रहें हैं / तुम कब जाओगे अतिथि

५.३.१ नारीयल– विद्यानिवास मिश्र
५.३.२ हम बिहार में चुनाव लड़ रहे हैं – हरिशंकर परसाई
५.३.३ तुम कब जाओगे अतिथि – शरद जोशी

नोट – प्रत्येक निबंध का विश्लेषण निम्न मुद्दों के आधारपर किया जाए

१. निबंधकार का जीवन परिचय
२. निबंधकार का साहित्यिक परिचय
३. निबंध विधा में निबंधकार का योगदान
४. पठित निबंध में अभिव्यक्त विचार
५. निबंध की भाषाशैली
६. निबंध का मूल्यांकन

इकाई ०६ कथेतर गद्य भाग ०२ : जीवनी तथा आत्मकथा साहित्य

६.१. जीवनी तथा आत्मकथा का सैद्धांतिक विवेचन

६.१.१ जीवनी : स्वरूप तत्व एवं हिंदी जीवनी साहित्य का परिचय

६.१.१.१ जीवनी : अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप
६.१.१.२ जीवनी : तत्व एवं प्रकार
६.१.१.३ जीवनी और आत्मकथा में अंतर
६.१.१.४ हिंदी जीवनी साहित्य विकासात्मक परिचय

६.१.२ आत्मकथा : परिभाषा स्वरूप एवं हिंदी आत्मकथा साहित्य

६.१.२.१ आत्मकथा : अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप
६.१.२.२ आत्मकथा : तत्व एवं प्रकार
६.१.२.३ हिंदी का आत्मकथा साहित्य का परिचय विकासात्मक परिचय

६.२ आवरा मसीहा: जीवनी

६.२.१ आवारा मसीहा :
* प्रस्तावना : विष्णु प्रभाकर के समग्र साहित्य को ध्यान में रखकर
* विष्णु प्रभाकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
* आवारा मसीहा : समीक्षा
* आवारा मसीहा का जीवनी के रूप में मूल्यांकन

६. ४ रामप्रसाद बिस्मिल (आत्मकथा)

* प्रस्तावना : जेल में लिखे गए हिंदी साहित्य के परिप्रेक्ष्य में रामप्रसाद बिस्मिल के साहित्य का विवेचन
* रामप्रसाद बिस्मिल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
* आत्मकथा में अभिव्यक्त तत्कालीन समाज : जीवन दृष्टि
* आत्मकथा के रूप में रामप्रसाद बिस्मिल का मूल्यांकन

इकाई ०७ कथेतर गद्य भाग ०३ : संस्मरण / रेखाचित्र / यात्रा वर्णन (संग्रह – प्रत्येक विभाग से ०२, कुल ०६ रचनाएँ)

७.१ कथेतर गद्य भाग ०३ : संस्मरण

७.१.१ संस्मरण : स्वरूप, तत्व एवं हिंदी का संस्मरण साहित्य
७.१.२ रचनाकार ०१ : फणीश्वरनाथ रेणु : जय पशुपतिनाथ (संस्मरण की दृष्टि से मूल्यांकन)
७.१.३ रचनाकार ०२ : कन्हैलाल मिश्र 'प्रभाकर' – दीप जले शंख बजे (संस्मरण की दृष्टि से मूल्यांकन)

७.२ कथेतर गद्य भाग ०३ : रेखाचित्र

७.२.१ रेखाचित्र : स्वरूप, तत्व एवं हिंदी का रेखाचित्र साहित्य

७.२.२ रचनाकार ०१ : रामवृक्ष बेनीपुरी : 'माटी की मूरतें' संग्रह से एक (रेखाचित्र की दृष्टि से मूल्यांकन)

७.२.३ रचनाकार ०२ : महादेवी वर्मा : पथ के साथी से 'महाप्राण निराला (रेखाचित्र की दृष्टि से मूल्यांकन)

७.३ कथेतर गद्य भाग ०३ : यात्रा वर्णन

७.३.१ यात्रा वर्णन : स्वरूप, तत्व एवं हिंदी में यात्रा वर्णन साहित्य

७.३.२ रचनाकार ०१ : अज्ञेय : अरे यायावर रहेगा याद (०१ रचना)

७.३.३ रचनाकार ०२ : मोहन राकेश : आखरी चट्टान

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. हिंदी साहित्य कोश : सं धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल लिमिटेड, आज भवन, संत कबीर मार्ग, वाराणसी – २२१००१, पुनर्मुद्रित संस्करण २०००

२. रंग दर्शन : नेमिचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

३. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल एंड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली – ६

४. रंगमंच के सिद्धांत : सं महेश आनंद, देवेंद्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., १ - बी नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – ११० ००२

५. आधुनिक भारतीय नाट्य-विमर्श : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

६. नाट्य चिंतन : गिरीश रस्तोगी

७. हिंदी नाटक : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

८. रंग प्रक्रिया के विविध आयाम : सं प्रेमसिंह, सुषमा आर्य, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

९. हिंदी की जीवनीपरक विधाएँ : शान्ति खन्ना

१०. हिंदी एकांकी : सिद्धनाथकुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

११. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश : गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१२. मोहन राकेश : रंगशिल्प और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१३. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं सत्येन्द्रकुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१४. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सं सत्येन्द्रकुमार तनेजा, नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं सत्येन्द्रकुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१५. हिंदी नाटक के पाँच दशक : कुसुम खेमानी, नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं सत्येन्द्रकुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१६. तमस : भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., १ - बी नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – ११० ००२

१७. ऋणजल धनजल – फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., १ - बी नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – ११० ००२

१८. रामप्रसाद बिस्मिल : रामप्रसाद बिस्मिल, आर्य समाज मंदिर

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष
पाठ्यक्रम –0 6 काव्यशास्त्र

खंड अ भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई ०१ : भारतीय काव्यशास्त्र भाग ०१ : (i) स्वरूप, सिद्धांत एवं विकासक्रम, (ii) रस सिद्धांत, (iii) अलंकार सिद्धांत

१.१ भारतीय काव्यशास्त्र : (i) स्वरूप, सिद्धांत, विकासक्रम
- १.१.१ भारतीय काव्यशास्त्र : स्वरूप
- १.१.२ भारतीय काव्यशास्त्र : विकासक्रम
- १.१.३ भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत : सामान्य परिचय
- १.१.४ हिंदी काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय

१.२ भारतीय काव्यशास्त्र : (ii) रस सिद्धांत
- १.२.१ रस शब्द का अर्थ, व्युत्पत्ति एवं स्वरूप
- १.२.२ रस सूत्र की व्याख्या, रसांगों का परिचय तथा रस के प्रकार
- १.२.३ रसनिष्पत्ति
- १.२.४ साधारणीकरण
- १.२.५ सहृदय की अवधारणा एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रस सिद्धांत

१.३ भारतीय काव्यशास्त्र : (iii) अलंकार सिद्धांत
- १.३.१ अलंकार : परिभाषा एवं स्वरूप एवं व्याप्ति
- १.३.२ अलंकार सिद्धांत : आचार्य भामह, आचार्य दंडी, आचार्य उद्भट एवं आचार्य रुद्रट की मान्यताएँ
- १.३.३ अलंकार और अलंकार्य में अंतर
- १.३.४ अलंकार : वर्गीकरण एवं आधार
- १.३.५ काव्य में अलंकारों का स्थान तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अलंकार

इकाई ०२ : भारतीय काव्यशास्त्र भाग ०२ : (i) रीति सिद्धांत (ii) ध्वनि सिद्धांत (iii) वक्रोक्ति सिद्धांत

२.१ भारतीय काव्यशास्त्र : (i) रीति सिद्धांत
- २.१.१ रीति का स्वरूप एवं अवधारणा
- २.१.२ रीति – विषयक विभिन्न विद्वानों के विचार
- २.१.३ रीति और गुण का संबंध
- २.१.४ रीतियो का नामकरण एवं प्रमुख भेद
- २.१.५ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रीति सिद्धांत का महत्त्व

२.२ भारतीय काव्यशास्त्र : (ii) ध्वनि सिद्धांत
- २.२.१ ध्वनि की परिभाषा एवं स्वरूप
- २.२.२ ध्वनि सिद्धांत : आनंदवर्धन की मान्यताएँ
- २.२.३ शब्दशक्ति विवेचन तथा ध्वनि का आधार स्फोट सिद्धांत
- २.२.४ ध्वनि के भेद
- २.२.५ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ध्वनि का महत्त्व

२.३ भारतीय काव्यशास्त्र : (iii) वक्रोक्ति सिद्धांत
- २.३.१ वक्रोक्ति : परिभाषा एवं स्वरूप
- २.३.२ वक्रोक्ति – विषयक आचार्य कुंतक तथा अन्य विद्वानों के विचार
- २.३.३ वक्रोक्ति के भेद
- २.३.४ काव्य में वक्रोक्ति की अनिवार्यता
- २.३.५ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वक्रोक्ति सिद्धांत का महत्त्व

खंड आ पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई ०३ : पाश्चात्य काव्यशास्त्र भाग ०१ : स्वरूप, विकासक्रम एवं सिद्धांत

३.१ पाश्चात्य काव्यशास्त्र : स्वरूप, विकासक्रम एवं प्रमुख सिद्धांत – सामान्य परिचय
- ३.१.१ प्राचीन युनानी काव्यशास्त्र : स्वरूप
- ३.१.२ पाश्चात्य काव्यशास्त्र : विकासक्रम
- ३.१.३ पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्रमुख सिद्धांत – सामान्य परिचय
- ३.१.४ उपसंहार

३.२ पाश्चात्य काव्यशास्त्र भाग ०१ : प्लेटो के काव्य सिद्धांत

३.२.१ प्लेटो का युग और काव्य संबंधी दृष्टिकोण
३.२.२ प्लेटो के काव्य सिद्धांत
३.२.३ प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत
३.२.४ प्लेटो के विचारो का मूल्यांकन

३.३ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०१ : अरस्तु के काव्य – विषयक विचार

३.३.१ अरस्तु के काव्य – विषयक विचार
३.३.२ अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत
३.३.३ त्रासदी के तत्व एवं विरेचन सिद्धांत
३.३.४ प्लेटो और अरस्तू के विचारों की तुलना
३.३.५ मूल्यांकन

३.४ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०१ : लोंजाइनस के काव्य – विषयक विचार

३.४.१ लोंजाइनस : युगीन साहित्यिक पृष्ठभूमि
३.४.२ भाषण कला एवं काव्यकला में साम्य एवं अंतर
३.४.३ लोंजाइनस का उदात सिद्धांत : उदात्त का स्वरूप एवं व्याख्या
३.४.४ लोंजाइनस का उदात सिद्धांत : तत्व
३.४.५ मूल्यांकन

इकाई ०४ : पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०२ : कॉलरीज – कल्पना सिद्धांत / टी. एस. इलियट के काव्य–विषयक विचार /आई. ए. रिचड्र्स के काव्य–विषयक विचार

४.१ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०२ : कॉलरीज – कल्पना सिद्धांत

४.१.१ कॉलरीज – युगीन साहित्यिक पृष्ठभूमि
४.१.२ कॉलरीज के काव्य – विषयक विचार
४.१.३ कॉलरीज का कल्पना सिद्धांत
४.१.४ कॉलरीज के विचारों का मूल्यांकन

४.२ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०२ : टी. एस. इलियट के काव्य – विषयक विचार

४.२.१ टी. एस. इलियट : युगीन साहित्यिक पृष्ठभूमि
४.२.२ टी. एस. इलियट : काव्य – विषयक विचार, परंपरा की अवधारणा और वैयक्तिक प्रज्ञा
४.२.३ टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत एवं वस्तुनिष्ठ प्रतिरुपता का समीकरण
४.२.४ टी. एस. इलियट के विचारों का मूल्यांकन

४.३ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०२ : आई. ए. रिचड्र्स के काव्य – विषयक विचार

४.३.१ आई. ए. रिचड्र्स : युगीन साहित्यिक पृष्ठभूमि
४.३.२ आई. ए. रिचड्र्स : मनोवेगों का संतुलन, प्रक्रिया
४.३.३ आई. ए. रिचड्र्स : सम्प्रेषण सिद्धांत
४.३.४ मूल्यांकन

खंड इ सिद्धांत एवं वाद

इकाई ०५ : सिद्धांत एवं वाद : संक्षिप्त परिचय – अभिजात्यवाद / स्वच्छंदतावाद / अस्तित्ववाद

५.१ अभिजात्यवाद : उद्भव-विकास, सिद्धांत एवं समीक्षा के निकष

५.१.१ अभिजात्यवाद : उद्भव एवं विकास
५.१.२ अभिजात्यवाद : सिद्धांत
५.१.३ अभिजात्यवाद : समीक्षा के निकष
५.१.४ मूल्यांकन

५.२ स्वच्छंदतावाद : उद्भव-विकास, सिद्धांत एवं समीक्षा के निकष

५.२.१ स्वच्छंदतावाद : उद्भव एवं विकास
५.२.२ स्वच्छंदतावाद : सिद्धांत
५.२.३ स्वच्छंदतावाद : समीक्षा के निकष
५.२.४ मूल्यांकन

५.३ अस्तित्ववाद : उद्भव-विकास, सिद्धांत एवं समीक्षा के निकष

५.३.१ अस्तित्ववाद : उद्भव एवं विकास
५.३.२ अस्तित्ववाद : सिद्धांत
५.३.३ अस्तित्ववाद : समीक्षा के निकष
५.३.४ मूल्यांकन

इकाई ०६ : सिद्धांत एवं वाद : संक्षिप्त परिचय – आधुनिकतावाद / विखंडनवाद / उत्तर आधुनिकतावाद

६.१ आधुनिकतवाद : उद्भव-विकास, सिद्धांत एवं समीक्षा के निकष

६.१.१ आधुनिकतावाद : उद्भव एवं विकास
६.१.२ आधुनिकतावाद : सिद्धांत
६.१.३ आधुनिकतावाद : समीक्षा के निकष
६.१.४ मूल्यांकन

६.२ विखंडनवाद : उद्भव-विकास, सिद्धांत एवं समीक्षा के निकष

६.२.१ विखंडनवाद : उद्भव एवं विकास
६.२.२ विखंडनवाद : सिद्धांत
६.२.३ विखंडनवाद : समीक्षा के निकष
६.२.४ मूल्यांकन

६.३ उत्तर आधुनिकतावाद : उद्भव-विकास, सिद्धांत एवं समीक्षा के निकष

६.३.१ उत्तर आधुनिकतावाद : उद्भव एवं विकास
६.३.२ उत्तर आधुनिकतावाद विखंडनवाद : सिद्धांत
६.३.३ उत्तर आधुनिकतावाद : समीक्षा के निकष
६.३.४ मूल्यांकन

इकाई ०७ : व्यावहारिक समीक्षा

७.१ चार कविताओं की समीक्षा देकर समीक्षा की प्रविधि सोदाहरण स्पष्ट करना
७.२ समीक्षा की प्रक्रिया : समस्याएं एवं समाधान (पठित कविताओं के आधारपर
७.३ गृहकार्य : समीक्षा के लिए नमूने

अधिक अध्ययन हेतु :

१. हिंदी आलोचकों का परिचय
२. महाराष्ट्र के हिंदी आलोचकों का परिचय

स्वयं अध्ययन हेतु :

१. अपनी रुची के अनुसार साहित्य की किसी एक विधा की रचना का चयन कर उसकी समीक्षा करना
२. निरंतर इसी प्रक्रिया का अभ्यास करना

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. हिंदी साहित्य कोश : सं धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल लिमिटेड, आज भवन, संत कबीर मार्ग, वाराणसी – २२१००१, पुनर्मुद्रित संस्करण २०००
२. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा : डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
३. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
४. रस सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
५. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
६. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन : डॉ. सत्यदेव चौधरी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली ६
७. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितीज : राममूर्ति त्रिपाठी,
८. साहित्यशास्त्र : चंद्रभानु सोनवने
९. साहित्यशास्त्र : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, डॉ. नरसिंह प्रसाद दुबे
१०. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१
११. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१२. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१३. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत : गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१
१४. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, ए – ९५, सेक्टर – ५, नौएडा – २०१३०१
१५. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : योगेंद्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१
१६. पाश्चात्य काव्य चिंतन : करुणाशंकर उपाध्याय
१७. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत : ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१

१८. हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार : रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१
१९. हिंदी आलोचना की बीसवी सदी : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., ७/३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - ११०००२
२०. हिंदी आलोचना की परंपरा : शिवकुमार मिश्र, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२१. समीक्षा के विविध आधार : सं रामजी तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१
२२. आलोचना के रचना पुरुष : नामवरसिंह, सं भारत यायावर, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२३. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२४. देरिदा : विखंडन की सिद्धांतिकी - सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष
पाठ्यक्रम – 07 भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा
इकाई ०१ : भाषा विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ

१.१ भाषा विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- १.१.१ भाषा विज्ञान : अर्थ एवं परिभाषा
- १.१.२ भाषा विज्ञान : स्वरूप

१.२ भाषा विज्ञान : अध्ययन की पद्धतियाँ
- १.२.१ वर्णनात्मक भाषा विज्ञान
- १.२.२ ऐतिहासिक भाषा विज्ञान
- १.२.३ तुलनात्मक भाषा विज्ञान

१.३ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भाषा विज्ञान की उपयोगिता

इकाई ०२ : स्वन विज्ञान तथा रूप विज्ञान

२.१ स्वन विज्ञान
- २.१.१ स्वन विज्ञान का स्वरूप
- २.१.२ वाग् अवयव एवं उनके कार्य
- २.१.३ स्वन की अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण
- २.१.४ स्वन परिवर्तन ; कारण और दिशाएँ

२.१.५ स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण

२.२ रूप विज्ञान

२.२.१ रूप विज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएँ

२.२.२ शब्द औररूप, अर्थ तत्व एवं संबध तत्व

२.२.३. रूप परिवर्तन के कारण

२.२.४ रूपिम विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा, रूपिम के भेद

इकाई ०३ : वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान और प्रोक्ति विज्ञान

३.१ वाक्य विज्ञान

३.१.१ वाक्य विज्ञान अवधारणा और स्वरूप

३.१.२ वाक्य के भेद

३.१.३ वाक्य विश्लेषण

३.२ अर्थ विज्ञान

३.२.१ अर्थ विज्ञान का स्वरूप एवं महत्त्व

३.२.२ शब्द और अर्थ का संबंध तथा अर्थ बोध के साधन

३.२.३ अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण

३.३ प्रोक्ति विज्ञान

३.३.१ प्रोक्ति विज्ञान अवधारणा

३.३.२ प्रोक्ति विज्ञानं का स्वरूप एवं व्याप्ति

इकाई ०४ : भाषा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं वर्गीकरण

४.१ भाषा : अर्थ, परिभाषा एवं अभिलक्षण

४.१.१ भाषा : अर्थ एवं परिभाषा

४.१.२ भाषा के अभिलक्षण

४.२ भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार

४.२.१ भाषा व्यवस्था

४.२.२ भाषा व्यवहार

४.३ भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य

४.३.१ भाषा संरचना

४.३.२ भाषिक प्रकार्य

इकाई ०५ : हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक विस्तार

५.१ हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

५.१.१ प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : विशेषताएँ

५.१.२ मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ : विशेषताएँ

५.१.3 आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : विशेषताएँ

५.२ हिंदी का भौगोलिक विस्तार

५.२.१ पश्चिमी हिंदी तथा उसकी बोलियाँ

५.२.२ पूर्वी हिंदी तथा उसकी बोलियाँ

५.२.३ राजस्थानी हिंदी तथा उसकी बोलियाँ

५.२.४ बिहारी हिंदी तथा उसकी बोलियाँ

५.२.५ पहाडी हिंदी तथा उसकी बोलियाँ

इकाई ०६ : हिंदी का भाषिक स्वरूप एवं उसके विविध रूप

६.१ हिंदी का भाषिक स्वरूप

६.१.१ हिंदी वर्णमाला का परिचय

६.१.२ हिंदी की रूप रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, कारक

६.२ हिंदी के विविध रूप

६.२.१ बोली, विभाषा, भाषा

६.२.२ राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, विश्व भाषा

६.२.३ हिंदी की संवैधानिक स्थिति

इकाई ०७ : देवनागरी लिपि एवं हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएँ

७.१ देवनागरी लिपि

७.१.१ देवनागरी लिपि : उद्भव एवं विकास

७.१.२ देवनागरी लिपि : विशेषताएँ

७.१.३ देवनागरी लिपि : मानकीकरण

७.२ हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएँ

७.२.१ कम्पुटर: आंतरिक संरचना तथा विभिन्न इकाइया

७.२.२ आँकड़ा संसाधन

७.२.३ फांट प्रबंधन

७.२.४ विश्व कि जानकारी धुंदना

७.२.५. ई- मेल आईडी पंजीकरण, ई-मेल करना विधि

७.२.६ मशिनी अनुवाद

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल इलाहाबाद

२. हिंदी भाषा – भोलानाथ तिवारी, किताब महल इलाहाबाद

३. भाषा विज्ञान सिद्धांत और स्वरूप – जीतराम पाठक, अनुपम प्रकाशन , पटना

४. हिंदी : उद्भव, विकास और रूप – हरदेव बहारी, किताब महल इलाहाबाद

५. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा, हिदुस्तानी अकैडेमी, इलाहाबाद

६. हिंदी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी , किताब महल, इलाहाबाद

७. हिंदी भाषा चिंतन – प्रो. दिलीपसिंह, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

८. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

९. मानक हिंदी – बृजमोहन, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१०. भाषा विमर्श : नव्य भाषा वैज्ञानिक सन्दर्भ शशिभूषण सितांशु, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

११. सामान्य हिंदी व्याकरण और रचना – श्रीकृष्ण पाण्डेय , वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१२. भाषा एवं भाषा शिक्षण – सं रमाकांत अग्निहोत्री, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१३. भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१४. भाषा विज्ञान – डॉ. अंबादास देशमुख, आरती प्रकाशन औरंगाबाद

१५. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – सुधाकर नलावडे, साहित्य रत्नालय, कानपुर

१६. भाषा और भाषिकी – देवीशंकर द्विवेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., ७/३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - ११०००२

१७. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. हनुमंत पाटील, प्रेम प्रकाशन , दिल्ली

१८. आधुनिक भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी, किताब महल , इलाहाबाद

१९. हिंदी भाषा उद्भव और विकास – उदयनारायण तिवारी,

२०. भाषा और समाज – डॉ. रामविलास शर्मा

२१. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव,

२२. सरल भाषा विज्ञान – मनमोहन गौतम

२३. हिंदी भाषा के अध्येता – कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२४. हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा – सुवास कुमार , वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२५. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२६. भाषाई अस्मिता और हिंदी – रवीन्द्र श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२७. भूमंडलीकरण, निजीकरण व हिंदी - डॉ. माणिक मृगेश

२८. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२९. अद्यतन भाषा विज्ञान – शशिभूषण सीतांशु, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

३०. कंप्यूटर और हिंदी – डॉ. हरिमोहन

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

पाठ्यक्रम –०8 हिंदी साहित्य : विविध विमर्श

इकाई ०१ : विमर्श : अवधारणा, स्वरूप, विकास क्रम एवं प्रमुख विमर्शों का परिचय

१.१ विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप

१.२ विमर्श : उद्भव एवं विकास

१.३ हिंदी साहित्य : प्रमुख विमर्श – सामान्य परिचय

* स्त्री विमर्श
* दलित विमर्श
* आदिवासी विमर्श
* अल्पसंख्यंक विमर्श

इकाई ०२ : स्त्री विमर्श : अवधारणा, स्वरूप, तथा प्रमुख विधाएँ

२.१ स्त्री विमर्श : अवधारणा, स्वरूप एवं प्रमुख वैचारिक आधार

२.१.१ स्त्री विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप

२.१.२ स्त्री विमर्श : प्रमुख वैचारिक प्रवाह - सामान्य परिचय

२.१.३ स्त्री विमर्श की दृष्टि से स्त्री

२.२ हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श : प्रारंभ, विकास एवं इस साहित्य की विशेषताएँ

२.२.१ हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श : प्रारंभ एवं विकास

२.२.२ स्त्री विमर्श : साहित्य की विशेषताएँ

२.२.३ स्त्री विमर्श : समीक्षा के निकष

२.३ स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य : विकासात्मक अध्ययन

२.३.१ स्त्रियो का काव्य : विकासात्मक परिचय

२.३.२ स्त्रियो का कथा साहित्य : विकासात्मक परिचय

२.३.३ स्त्रियो कि आत्मकथाएँ : विकासात्मक परिचय

२.४ स्त्री विमर्श : उपलब्धियां एवं सीमाएँ

इकाई ०३ : स्त्री विमर्श : रचना एवं रचनाकार

३.१ काव्य : सुधा अरोड़ा – कमसे कम एक दरवाज़ा (काव्य संकलन) काव्य संकलन से निम्न छह कविताएँ –

१. क्या इसलिए होती है मांएं धरती से बड़ी
२. पीले पत्तों पर ओस की बूँदे
३. भरवां भिंडी और करेले
४. कमसे कम एक दरवाज़ा
५. कंधे
६. सदियों के खिलाफ़ तैयार हो रहा है एक मोर्चा

*** उपर्युक्त कविताओं का समीक्षात्मक विवेचन –**

३.१.१ सुधा अरोड़ा का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय

३.१.२ कमसे कम एक दरवाज़ा (काव्य संकलन) – मूल संवेदना

३.१.३ कमसे कम एक दरवाज़ा काव्य संकलन की उपर्युक्त छह कविताओं की स्त्री जीवन के अनुभवों के आधारपर तथा स्त्रियों के प्रति बदली दृष्टि के आधारपर समीक्षा

३.१.४ मूल्यांकन

३.२ आत्मकथा : मैत्रेयी पुष्पा – गुड़िया भीतर गुड़िया

३.२.१ मैत्रेयी पुष्पा : जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय

३.२.२ गुड़िया भीतर गुड़िया – मूल संवेदना

३.२.३ गुड़िया भीतर गुड़िया में स्त्री जीवन के अनुभवों के आधारपर तथा स्त्रियों के प्रति बदली दृष्टि के आधारपर समीक्षा

३.२.४ गुड़िया भीतर गुड़िया : आत्मकथा की दृष्टि से मूल्यांकन

३.३ कहानी : निम्न ०५ कहानियों का संकलन

१. मन्नू भंडारी – यही सच है
२. मालती जोशी – दंभ के घेरे
३. मेहरुन्निसा परवेझ – अम्मा
४. मृदुला गर्ग – बाँस फल
५. मंजुल भगत – अंतिम (लेखक अपनी रुचिनुसार कहानियाँ ले सकता है, बशर्ते कहानी स्त्री जीवन के

अनुभवों पर आधारित हो)

***इन कहानियों की समीक्षा निम्न बिंदुओं के आधारपर करनी है –**

- कहानी लेखिका का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय
- कहानी में चित्रित स्त्री जीवन के अनुभव
- स्त्रियों के प्रति बदलती दृष्टि तथा नई चेतना
- मूल्यांकन

इकाई ०४ : दलित विमर्श : अवधारणा, स्वरूप, विशेषताएँ तथा प्रमुख साहित्यकार

४.१ दलित विमर्श : अवधारणा, स्वरूप एवं प्रमुख वैचारिक आधार

४.१.१ दलित विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप
४.१.२ दलित विमर्श : सामान्य परिचय
४.१.३ दलित विमर्श का कला पक्ष

४.२ हिंदी साहित्य में दलित विमर्श : प्रारंभ, विकास एवं इस साहित्य की विशेषताएँ

४.२.१ हिंदी साहित्य में दलित विमर्श : प्रारंभ एवं विकास
४.२.२ हिंदी दलित साहित्य : विशेषताएँ
४.२.३ दलित विमर्श : समीक्षा के निकष

४.३ दलित विमर्श और हिंदी साहित्य : विकासात्मक अध्ययन

४.३.१ हिंदी दलित कविता : विकासात्मक परिचय
४.३.२ हिंदी दलित कथा साहित्य : विकासात्मक परिचय
४.३.३ हिंदी दलित आत्मकथा साहित्य : विकासात्मक परिचय

इकाई ०५ : दलित विमर्श : रचना एवं रचनाकार

५.१ नाटक : वीमा – रतनकुमार सांभरिया

५.१.१ प्रस्तावना – रतनकुमार सांभरिया के समग्र साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखकर
५.१.२ रतनकुमार सांभरिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
५.१.३ वीमा : मूल संवेदना
५.१.४ वीमा : दलित चेतना को ध्यान में रखकर समीक्षात्मक विवेचन
५.१.५ मूल्यांकन

५.२ आत्मकथा : तिरस्कृत – सूरजपाल चौहान

५.२.१ प्रस्तावना : सूरजपाल चौहान के समग्र साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखकर
५.२.२ सूरजपाल चौहान : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
५.२.३ तिरस्कृत – मूल संवेदना
५.२.४ तिरस्कृत : दलित चेतना को ध्यान में रखकर समीक्षात्मक विवेचन
५.२.५ दलित आत्मकथा के रूप में समीक्षात्मक विवेचन
५.२.६ मूल्यांकन

५.३ कहानी संकलन - निम्न पाँच कहानीकारों की कहानियों का संकलन

१. ओमप्रकाश वाल्मिकी – घुसपैठिए
२. सत्यप्रकाश – बिरादरी भोज
३. जयप्रकाश कर्दम – नो बार
४. विपिन बिहारी – अपनी सीमाएँ
५. रजतरानी मीनू – वे दिन

*** इन कहानियों की समीक्षा निम्न बिंदुओं के आधारपर करनी है –**

- रचनाकार का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय
- दलित जीवन अनुभव
- दलित चेतना में आए परिवर्तन
- मूल्यांकन

इकाई ०६ : आदिवासी विमर्श : अवधारणा, स्वरूप, विशेषताएँ तथा प्रमुख साहित्यकार

६.१ आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप

६.१.१ आदिवासी शब्द की व्याख्या एवं स्वरूप
६.१.२ आदिवासी जीवन की विशेषताएँ
६.१.३ आदिवासी जीवन की समस्याएँ
६.१.४ मूल्यांकन

६.२ हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श

६.२.१ हिंदी कथा साहित्य में आदिवासी जीवन का चित्रण

६.२.२ हिंदी काव्य में आदिवासी जीवन का चित्रण
६.२.३ हिंदी साहित्य की अन्य विधाओं में आदिवासी जीवन का चित्रण

६.३ आदिवासी विमर्श : भाषिक विवेचन

६.३.१ आदिवासियों की भाषा का स्वरूप
६.३.२ आदिवासियों की भाषा : विशेषताएँ
६.३.३ आदिवासियों की भाषा : मूल्यांकन

इकाई ०७ : आदिवासी विमर्श : रचना एवं रचनाकार – उपन्यास / खंडकाव्य / कविताएँ

७.१ उपन्यास : धार – संजीव

७.१.१ प्रस्तावना : संजीव के समग्र साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखकर
७.१.२ संजीव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
७.१.३ धार : मूल संवेदना
७.१.४ धार : आदिवासी जीवन का स्वरूप
७.१.५ धार : आदिवासियों की समस्याएँ
७.१.६ मूल्यांकन

७.२ खंडकाव्य : जय बिरसा – जियालाल आर्य

७.२.१ प्रस्तावना : जियालाल आर्य के समग्र साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखकर
७.२.२ जियालाल आर्य का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय
७.२.३ जय बिरसा : मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र, परिवेश, उद्देश्य, भाषा शैली
७.२.४ जय बिरसा – आदिवासी जीवन का स्वरूप एवं समस्याएँ
७.२.५ मूल्यांकन

७.३ कविताएँ : निम्न छह कविताओं का संकलन

१. निर्मला पुतुल – 'नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द' से दो कविताएँ
२. हरीराम मीना – 'रोया नहीं था यक्ष' से दो कविताएँ
३. विनोदकुमार शुक्ल – आदिवासी जीवन का चित्रण करनेवाली कोई भी दो कविताएँ

*** उपर्युक्त कविताओं की निम्न बिंदुओं के आधारपर समीक्षा**

- कवियों का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय
- इन कविताओं में आदिवासी जीवन का चित्रण
- इन कविताओं में आदिवासी संस्कृति
- इन कविताओं का भाषा की दृष्टि से विवेचन
- मूल्यांकन

अधिक अध्ययन हेतु :

१. उपेक्षितों के साहित्य से परिचित होने का प्रयत्न करे
२. स्त्रियों द्वारा लिखित उपन्यासों के आधारपर स्त्रियों की बदलती छवि को रेखांकित करने का प्रयास करे. जैसे कृष्णा सोबती – मित्रो मरजानी, सूरजमुखी अँधेरे के, उषा प्रियंवदा – रुकोगी नहीं राधिका, नासिरा शर्मा – ज़िंदा मुहावरे आदि
३. दलित साहित्य के अध्ययन द्वारा दलितों की पीड़ा समझने का प्रयास करे | जैसे – मोहनदास नैमिशराय – मुक्तिपर्व, जयप्रकाश कर्दम – छप्पर, आदि
४. रामचरित मानस केवट प्रसंग के आधारपर आदिवासी जीवन के स्वरूप का अध्ययन
५. हिंदी उपन्यासों में आदिवासी जीवन के स्वरूप का अध्ययन – जैसे फणीश्वरनाथ रेणु – मैला आँचल, रांगेय राघव - कब तक पुकारू, मैत्रेयी पुष्पा - अल्मा कबूतरी, वीरेन्द्र जैन – डूब, पार आदि

स्वयं अध्ययन हेतु :

१. अपने आसपास की स्त्रियों, दलितों एवं आदिवासियों के जीवन को समझने की कोशिश करे तथा उनके गीतोंका संकलन करें|
२. इन गीतों का सांस्कृतिक एवं भाषिक दृष्टि से विवेचन करें|
३. इन गीतों में आये नए शब्दों के संकलन का कार्य करें|
४. स्त्रियों, दलितों एवं आदिवासियों की ओर मानवीय दृष्टि से देखें|

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. स्त्रियों की पराधीनता – जॉन स्टुअर्ट मिल, राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
२. स्त्री लेखन ; स्वप्न और संकल्प – रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

३. साहित्य की ज़मीन और स्त्री मन के उच्छ्वास – रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
४. स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
५. स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
६. सुनो मालिक सुनो – मैत्रेयी पुष्पा, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
७. पितृसत्ता के नए रूप : स्त्री और भूमंडलीकरण – सं राजेन्द्र यादव, प्रभा खेतान, श्यामचरण दुबे, राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
८. आधी आबादी का संघर्ष – ममता जैतली, राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
९. एक औरत की नोटबुक - राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
१०. स्त्री अध्ययन की बुनियाद – प्रमिला के. पी. , राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
११. मृदुला गर्ग के कथा साहित्य में नारी – रमा नवले, विकास प्रकाशन कानपूर
१२. स्त्री अस्मिता के प्रश्न – सुभाष सेतिया, कल्याणी शिक्षा परिषद्, जटवाडा, दरियागंज नई दिल्ली
१३. भारतीय दलित आन्दोलन का इतिहास (चार खंड) – मोहनदास नैमिशराय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., ७/३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - ११०००२
१४. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., ७/३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१५. दलित साहित्य : वेदना और विद्रोह – सं शरणकुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१६. दलित विमर्श की भूमिका – कंवल भारती, अमन प्रकाशन, १०४ ए /८० c, रामबाग कानपूर
१७. दलित साहित्य समग्र परिदृश्य – सं डॉ. मनोहर भंडारे, स्वराज प्रकाशन, ४६४८/१,२१, अंसारी रोड दरियागंज, नई दिल्ली, ११०००२
१८. हिंदी का दलित आत्मकथा साहित्य – डॉ. संजय मुनेश्वर, चंद्रलोक प्रकाशन १३२, शिवराम कृपा मयूर पार्क, वसंत विहार, कानपूर २०८०२
१९. दलित चेतना की कहानियाँ बदलती परिभाषाएँ - प्रो. राजमणि शर्मा, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२०. आदिवासी साहित्य यात्रा – रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., ७/३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - ११०००२
२१. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी – रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२२. आदिवासी साहित्य विविध आयाम – सं. रमेश संभाजी कुरे, मालती शिंदे, प्रवीण शिंदे, विकास प्रकाशन कानपुर
२३. वीमा – रतनकुमार सांभरिया, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लिमिटेड, ४६९७/३, २१-ए, अंसारी रोड दरियागंज नई दिल्ली ११०००२
२४. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे – विकास प्रकाशन कानपुर